अध्याय 13

झाँसी की रानी

लेखक/कवि: सुभद्रा कुमारी चौहान

[काव्य खंड]

कक्षा	9
विषय	हिंदी
पुस्तक	NCERT 'गंगा'
पाठ का स्रोत	
आवश्यक अवधियाँ	3
प्रत्येक अवधि का समय	40 मिनट

◆ अवधारणाएँ (Concepts)

1. वीरता, साहस और देशभक्ति का जीवंत चित्रण

कविता में रानी लक्ष्मीबाई के अदम्य साहस, वीरता और देश के प्रति अनुपम समर्पण का ओजस्वी चित्रण है। विद्यार्थी समझेंगे कि सच्चा देशप्रेम कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी बिना विचलित हुए साहस दिखाने से प्रकट होता है।

2. स्त्री-शक्ति और नेतृत्व क्षमता

रानी लक्ष्मीबाई एक ऐसी वीरांगना के रूप में प्रस्तुत हैं जिन्होंने अपनी असाधारण नेतृत्व क्षमता और शौर्य से इतिहास में अमर स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थी स्त्री-सशक्तिकरण के महत्व और स्त्री की असीम शक्ति को पहचानेंगे।

3. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं काव्य में वीर रस

कविता 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसमें वीर रस, ओज-गुण, अनुप्रास और लयात्मकता का सुंदर समन्वय है। विद्यार्थी इन काव्य-तत्वों की पहचान करेंगे।

◆ अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- कविता का भावार्थ अपने शब्दों में स्पष्ट एवं क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत कर सकेंगे।

- रानी लक्ष्मीबाई के जीवन एवं वीरता का वर्णन कर सकेंगे।
- वीर रस एवं ओज-गुण की पहचान एवं व्याख्या कर सकेंगे।
- कठिन शब्दों का अर्थ समझकर उनका प्रयोग कर सकेंगे।
- स्त्री-शक्ति एवं देशभक्ति के मूल्यों को समझकर अपना सकेंगे।
- पाठ आधारित प्रश्नों के तार्किक एवं विस्तृत उत्तर दे सकेंगे।

◆ शिक्षण-अधिगम रणनीतियाँ (Pedagogical Strategies)

प्रवेश गतिविधि: शिक्षक प्रश्न पूछेगा— "क्या महिलाएँ भी युद्ध और नेतृत्व में पुरुषों के समान सक्षम होती हैं?" विद्यार्थी अपने विचार साझा करेंगे।

आदर्श वाचन: शिक्षक ओजपूर्ण स्वर में कविता का वाचन करेगा, जिससे वीरता का भाव उत्पन्न हो।

सामूहिक वाचन: विद्यार्थियों को समूह एवं व्यक्तिगत रूप से वाचन कराया जाएगा।

भूमिका-अभिनय: विद्यार्थी रानी लक्ष्मीबाई के जीवन की घटनाओं का मंचन करेंगे।

समूह चर्चा: विषय: "आज के समाज में स्त्री-शक्ति का क्या महत्व है?"

◆ अन्य विषयों के साथ समेकन (Integration)

- इतिहास: 1857 का विद्रोह
- सामाजिक विज्ञान: महिला सशक्तिकरण
- कला शिक्षा: झाँसी की रानी का चित्र
- अंग्रेज़ी: कविता का सार अंग्रेज़ी में लिखना
- मूल्य शिक्षा: साहस, देशभक्ति, नेतृत्व

◆ आकलन (Assessment)

- मौखिक आकलन: वाचन, प्रश्नोत्तर।
- लिखित आकलन: लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, काव्यांश व्याख्या।
- भूमिका-अभिनय एवं समूह प्रस्तुति का आकलन।
- रचनात्मक लेखन: "यदि मैं झाँसी की रानी होती…" विषय पर अनुच्छेद।
- कार्यपत्रक: शब्दार्थ, मिलान, रिक्त स्थान, अलंकार पहचान।

◆ शिक्षण-अधिगम सामग्री (TLM)

- NCERT पाठ्यपुस्तक (गंगा)
- श्यामपट एवं मार्कर
- झाँसी की रानी के चित्र/वीडियो
- ऐतिहासिक मानचित्र
- कार्यपत्रक

◆ विस्तार गतिविधियाँ / जीवनोपयोगिता

- वीरांगनाओं के बारे में जानकारी एकत्र करना।
- देशभक्ति कविता/भाषण प्रस्तुत करना।
- स्त्री-सशक्तिकरण पर चर्चा।

◆ इक्कीसवीं सदी के कौशल / मूल्य शिक्षा

- संचार कौशल: प्रभावी वाचन एवं अभिव्यक्ति।
- आलोचनात्मक चिंतन: ऐतिहासिक घटनाओं का विश्लेषण।
- रचनात्मकता: पोस्टर/लेखन।
- मूल्य शिक्षा: साहस, देशभक्ति, नेतृत्व।

◆ पाठोपरांत चिंतन (Post Teaching Reflection)

- क्या विद्यार्थियों ने रानी लक्ष्मीबाई के साहस और वीरता को समझा?
- क्या वे स्त्री-शक्ति के महत्व को अपने जीवन से जोड़ पाए?

◆ उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching)

- कठिन शब्दों का पुनः अभ्यास।
- कविता का सरल भाषा में पुनः भावार्थ।
- अतिरिक्त वाचन एवं लेखन अभ्यास।

◆ अवधि-वार शिक्षण योजना (Period-wise Planning)

- प्रथम अवधि: प्रवेश गतिविधि, वाचन, शब्दार्थ।
- द्वितीय अवधि: व्याख्या, भूमिका-अभिनय, चर्चा।
- तृतीय अवधि: पुनरावृत्ति, प्रश्नोत्तर, आकलन।